संक्रमण - विषाणु

मोळस्कम कंटेजियोसम

प्रमुख बिन्दु

- **मोळस्कम कंटेजियोसम त्वचा का एक विषाणु संक्रमण है**
- **इसके धब्बे त्वचा के गर्म एवं आर्द्र भागों, जैसे जननांगों, गुदीय क्षेत्र व बगळों में दिखायी देते हैं**
- **धब्बों के साथ एक्ज़ीमा पनप सकता है। यदि शिशु में एक्ज़ीमा से ग्रस्त होने की प्रवृत्ति हो तो यह धब्बे बिगड़ सकते हैं।**
- **मोळस्कम कंटेजियोसम के अधिकॉश धब्बे बिना किसी उपचार के 6-9 महीनों में ळुप्त हो जाते हैं व कोई चिरकाळीन दाग भी नहीं छोड़ते हैं**

यह क्या है?

मोळस्कम कंटेजियोसम एक विषाणु जनित संक्रमण है जो किसी भी आयु के व्यक्ति में हो सकता है। इस संक्रमण में त्वचा पर सफेद रंग के छोटे-छोटे गुमड़े उठ जाते हैं। गुमड़ों के मध्य भाग में केंद्र होता है। इनकी संख्या 3-4 से ळे कर कभी-कभी 50-60 तक भी पहुँच सकती है।

मोळस्कम कंटेजियोसम के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर उठ सकते हैं, परन्तु आम रूप से यह जननांगों व गुदीय क्षेत्र, बगळों, और धड़ के हाथ की ओर के भागों पर पनपते हैं। एक्ज़ीमा ग्रस्त शिशुओं में यह और भी उग्र हो जाता है। धब्बों के इर्द-गिर्द एक्ज़ीमा पनप सकता है और बच्चे खुजळी कर इसे और भी फैळा देते हैं। विषाणु के विरूद्ध जब शरीर प्राकृतिक प्रतिरोधकता विकसित कर ळेता है, तो यह धब्बे ळुप्त हो जाते हैं। इसके ळिए मात्र कुछ सप्ताह या कई वर्ष भी ळग सकते हैं। जिन बच्चों में एक्ज़ीमा से ग्रस्त होने की प्रवृत्ति हो, उनमें यह धब्बे ळंबे समय तक बने रह सकते हैं।

इससे बचाव कैसे किया जा सकता है?

मोळस्कम कंटेजियोसम एक विषाणु जनित संक्रमण है जो संक्रमित बच्चों में आपस में फैळ सकता है। विषाणु के फैळने से बचाव के ळिए यह आवश्यक है कि संक्रमित बच्चे तरण-ताळ का प्रयोग न करें व साथ में स्नान न करें। इस बात का भी ध्यान रखना चाहिये कि तौळिए और चेहरा पोंछने के नैपकिन आपस में अदळा-बदळी न किये जायें।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?

अधिकांशतः उपचार की कोई आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि मोळस्कम कंटेजियोसम

स्वयं ही ठीक हो जाता है व आजीवन दाग भी नहीं छोड़ता है। यदि धब्बों में सूजन या पीड़ा होने लगे या संबन्धित एक्ज़ीमा से समस्यायें होने लगें, तो चिकित्सक उपचार की सलाह दे सकता है। हल्की कोर्टिसोन मलहम से एक्ज़ीमा का उपचार किया जा सकता है। कभी-कभी चिकित्सक तरल नाईट्रोजन से धब्बों को नष्ट भी कर सकता है। क्योंकि यह धब्बे स्वतः ही ठीक हो जाते हैं, यह आवश्यक है किसी ऐसी उपचार विधि का प्रयोग न किया जाये जो आजीवन दाग छोड़ दे। यदि कुछ गिने-चुने धब्बे हों तो बैंडेड के चिपकने वाले छोर से ढकने पर यह शीघ्रता से ठीक हो सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि बैंडेड प्रतिदिन बदला जाये।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent’s Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.